कोई सार नहीं है संसार में इक सार है साँवरे के प्यार में लिरिक्स

कोई सार नहीं है संसार में,
इक सार है साँवरे के प्यार में,
जब कही ना मिले तुझे आसरा,
मिल जायेगा श्याम दरबार में,
कोई सार नही है संसार में।bd।

तर्ज – जरा सामने तो आओ छलिये।

भटक भटक कर रे मनवा तू,
क्यों जीवन बर्बाद करे,
मुह पर तेरे बनने वाले,
पीछे से आघात करे,
सगा देता दगा परिवार में,
क्या रखा है झूठे संसार में,
जब कही ना मिले तुझे आसरा,
मिल जायेगा श्याम दरबार में,
कोई सार नही है संसार में।bd।

सच्चे हृदय से जिसने पुकारा,
आया मुरली वाला है,
डूबती नैया पार लगाता,
निर्बल का रखवाला है,
दरिया आनन्द का दरबार में,
क्यों खड़ा है तू सोच विचार में,
जब कही ना मिले तुझे आसरा,
मिल जायेगा श्याम दरबार में,
कोई सार नही है संसार में।bd।

गुजर तेरा जीवन जायेगा,
बेमतलब के कामो में,
राह पकड़ ले सांवरिया की,
नाम लिखा दीवानों में,
'राजू' अनन्य सुख संसार में,
राधेश्याम के ही दरबार में
जब कहीं ना कोई मिले तुझे आसरा

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी तुरन्त मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मिल जायेगा श्याम दरबार में,
कोई सार नही है संसार में।bd।

कोई सार नहीं है संसार में,
इक सार है साँवरे के प्यार में,
जब कही ना मिले तुझे आसरा,
मिल जायेगा श्याम दरबार में,
कोई सार नही है संसार में।bd।

– गायक / लेखक / प्रेषक –
राजेन्द्र अग्रवाल देई।
9784483568

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com